[This question paper contains 02 printed pages]
इस प्रश्न पत्र में 02 मुद्रित पृष्ठ हैं

Roll Number / रोल नंबर: _____

HPAS Etc. Combined Competitive (Main) Examination, 2019

हि.प्र.प्र.से. आदि संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य) परीक्षा, 2019

Hindi Literature-II / हिंदी लिटरेचर-II

Time Allowed: 3 Hours | Maximum Marks: 100

अनुगत समय: 3 घंटे | अधिकत्तम अंक: 100

Note / नोट:

1. This question paper contains total eight questions.
   इस प्रश्न पत्र में कुल आठ प्रश्न हैं।
2. *Attempt any five questions including compulsory question No.1 in 700 words each.*
   अनिवार्य प्रश्न नंबर 1 सहित किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर 700 शब्दों में दीजिये।
3. Each question carries equal marks. Marks are divided and indicated against each part of the question. Write answer in legible handwriting. Each part of the question must be answered in sequence and in the same continuation.
   प्रत्येक प्रश्न के समान अंक हैं। प्रश्न के अंकों को विभाजित कर प्रश्न के प्रत्येक भाग के विरूद्ध इंगित किया गया है। उत्तर स्पष्ट लिखावट में लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए।
4. Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in answer book must be clearly struck off.
   प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं है, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।
5. *Re-evaluation / Re-checking of answer book is not allowed.*
   उत्तरपुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच की अनुमति नहीं है।

---

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10+10)

   (क) अंबर कुंजां कुरलियाँ, गरजि, भरे सब ताल।
   जिनि पैं गोबिंद बीछुटे, तिनके कौण हवाल॥
   चकवी बिछुटी रैणि की, आइ मिली परभाति।
   जे जन बिछुटे राम सूं, ते दिन मिले न राति॥

   अथवा

   धन्य वे जिनके मृदुलतम अंक
   हुए थे मेरे लिए पर्यंक
   धन्य वे जिनकी उपज के भाग
   अन्न-पानी और भाजी-साग

फूल-फल औ' कंद-मूल अनेक विध मधु-मांस
विपुल उनका ऋण, सधा सकता न मैं दशमांश
ओह, यद्यपि पड़ गया हूँ दूर उनसे आज
ह्रदय से पर आ रही आवाज़
धन्य वे जन, वही धन्य समाज
यहाँ भी तो हूँ न मैं असहाय
यहाँ भी हैं व्यक्ति औ' समुदाय
किन्तु जीवन भर रहूँ फिर भी प्रवासी ही कहेंगे हाय !

(ख) बुढ़िया का क्रोध तुरन्त स्नेह में बदल गया, और स्नेह भी वह नहीं, जो प्रगल्भ होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में बिखेर देता है। यह मूक स्नेह था, खूब ठोस, रस और स्वाद से भरा हुआ। बच्चे में कितना त्याग और कितना सद्भाव और कितना विवेक है! दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते देखकर इसका मन कितना ललचाया होगा? इतना ज़ब्त इससे हुआ कैसे! वहाँ भी इसे अपनी बुढ़िया दादी की याद बनी रही। अमीना का मन गद्गद हो गया।

अथवा

चतुर सेवक के समान संसार को जगा कर अन्धकार हट गया। रजनी की निस्तब्धता काकली से चंचल हो उठी है। नीला आकाश स्वच्छ होने लगा है, या निद्राक्लांत निशा उषा की शुभ्र चादर ओढ़ कर नींद की गोद में लेटने चली है। यह जागरण का अवसर है। जागरण का अर्थ है कर्म्मक्षेत्र में अवतीर्ण होना। और कर्म्मक्षेत्र क्या है? जीवन-संग्राम। किन्तु भीषण संघर्ष करके भी मैं कुछ नहीं हूँ। मेरी सत्ता एक कठपुतली-सी है।

2. "सूरदास के 'भ्रमरगीत' की गोपियाँ विवशता का प्रदर्शन करती हैं, पर भीतर से दृढ़ हैं" – कथन की सोदाहरण विवेचना कीजिए। (20)
3. "कवितावली' के 'उत्तरकाण्ड' में आत्माभिव्यक्ति और युगाभिव्यक्ति" – विषय पर एक निबंध लिखिए। (20)
4. "अंधेर नगरी' नाटक का प्रत्येक दृश्य रचनाकार की व्यंग्य-क्षमता का परिचायक है" – कथन के पक्ष में विचार कीजिए। (20)
5. 'गोदान' के पात्रों – होरी और धनिया में से कौन अधिक प्रभावशाली है? तर्क देते हुए अपना निष्कर्ष प्रस्तुत कीजिए। (20)
6. शोकगीत के रूप में 'सरोज-स्मृति' के वैशिष्ट्य का उल्लेख करते हुए उसमें अभिव्यक्त निराला के जीवन-संघर्ष का उद्घाटन कीजिए। (20)
7. "वेदना में एक शक्ति है जो दृष्टि देती है" – कथन के आलोक में 'शेखर: एक जीवनी' पर विचार कीजिए। (20)
8. श्रेष्ठ लंबी कविता के रूप में 'अँधेरे में' का मूल्यांकन कीजिए। (20)